परिचय

तीर्थंकर भगवन्तों की वाणी जीवन को सही ज्ञान एवं आचरण से समृद्ध बनाने में आधार स्तंभ का कार्य करती है। रत्न संघ की गौरवशाली परम्परा के युग द्रष्टा, युग मनीषी, स्वाध्याय-सामायिक के प्रबल प्रेरक, पूज्य आचार्य भगवन्त श्री 1008 श्री हस्तीमल जी म.सा. ने सम्यक् ज्ञान सहित आचरण की पालना करने हेतु स्वाध्याय एवं सामायिक को अचूक औषधि के रूप में जन-जन के समक्ष प्रस्तुत किया। रत्न संघ के गौरव, संघनायक, परम श्रद्धेय आचार्य भगवन्त श्री 1008 श्री हीराचन्दजी म.सा. आदि सन्त मण्डल एवं साध्वी मण्डल के पावन सदुपदेशों से प्रभावित होकर सितम्बर-1999 में 'अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड' की स्थापना की गई।

मुख्य प्रवृत्तियाँ-

1. क्रमबद्ध एवं व्यवस्थित पाठ्यक्रम तैयार कर उनकी पुस्तकें प्रकाशित करना।
2. वर्ष में दो बार जुलाई व जनवरी माह में परीक्षाएँ आयोजित करना।
3. परीक्षा व्यवस्थित ढंग से प्रामाणिकता से आयोजित करना।
4. समय बद्ध कार्यक्रम से परीक्षा परिणाम घोषित करना।
5. वरीयता एवं प्रोत्साहन पुरस्कार देकर परीक्षार्थियों का उत्साह बढ़ाना।

परीक्षाओं से लाभ-

आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड की परीक्षाओं में भाग लेने से निम्नांकित लाभ हैं-

1. आध्यात्मिक परीक्षाएँ ज्ञानवृद्धि एवं संस्कार शुद्धि का सशक्त माध्यम हैं।
2. इन परीक्षाओं में भाग लेने से व्यक्ति के विचारों में बदलाव आता है, सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है।
3. हेय (छोड़ने योग्य) - उपादेय (आचरण करने योग्य) का विवेक जागृत होता है।
4. धार्मिक क्रियाओं के प्रति रुचि एवं उत्साह बढ़ता है।
5. आचार पक्ष मजबूत एवं निर्मल बनता है।
6. धर्म-श्रद्धा, तत्त्व-बोध, पुण्य-उपार्जन एवं श्रुत-सेवा का लाभ प्राप्त होता है।
7. धर्म-दलाली एवं कर्म-निर्जरा का महान लाभ मिलता है।

क्रमबद्ध एवं व्यवस्थित पाठ्यक्रम

जैन धर्म के क्रमिक एवं व्यवस्थित अध्ययन हेतु शिक्षण बोर्ड द्वारा कक्षा 1 से 12 तक का निम्नांकित पाठ्यक्रम तैयार किया गया है-

प्रथम कक्षा- जैन कौन- देव-गुरु-धर्म, सामायिक मूल, 32 दोष एवं विधि सहित, उच्चारण शुद्धि के नियम, 25 बोल 1 से13 तक (मूल),भगवान महावीर, नवकार मंत्र, जय बोलो महावीर स्वामी की, 24 तीर्थंकरों के नाम, सप्तकुव्यसन, पाँच अभिगम, विनय-स्वरूप एवं महत्त्व।

द्वितीय कक्षा- सामायिक सूत्र अर्थ एवं प्रश्नोत्तर,25 बोल- 14 से 25 तक मूल,भगवान पार्श्वनाथ, ओम शान्ति- शान्ति,जरा कर्म देखकर , ज्ञान प्राप्ति के बाधक कारण, महापापी, यतना - स्वरूप, महत्त्व,प्रथम कक्षा के सूत्र तत्त्व में से दस अंकों के प्रश्न।

तृतीय कक्षा- प्रतिक्रमण सूत्र - इच्छामि खमासमणो तक,25 बोल की परिभाषाएँ,67 बोल,भगवान ऋषभदेव,एक सौ आठ बार, दुनिया में देव, वन्दना का अर्थ एवं भेद, बारह भावना के दोहे, पाँच आचार, जैन धर्म और पर्यावरण,द्वितीय कक्षा के सूत्र तत्त्व में से दस अंकों के प्रश्न।

चतुर्थ कक्षा- प्रतिक्रमण सूत्र-पूर्ण-विधि सहित,कर्म प्रकृति,उपयोग,संज्ञा का थोकड़ा,14 नियम,3 मनोरथ,भगवान शान्तिनाथ,मेरे अन्तर भया....., आओ भगवन् ...,नवकारसी,उपवास, दया एवं संवर के पाठ,सचित्त - अचित्त विवेक, जमीकन्द त्याग,तृतीय कक्षा के सूत्र तत्त्व में से दस अंकों के प्रश्न।

पाँचवी कक्षा- प्रतिक्रमण सूत्र अर्थ एवं प्रश्नोत्तर ,समिति गुप्ति का थोकड़ा ,भक्तामर स्तोत्र 1 से 16 श्लोक तक भावार्थ सहित,मैंने बहुत किए अपराध, जय जिनवर जय.... , आयम्बिल, एकासन, पोरिसी के प्रत्याख्यान,चतुर्थ कक्षा के सूत्र तत्त्व में से दस अंकों के प्रश्न।

छठी कक्षा- दशवैकालिक अ. 1, 2 मूल व अर्थ कंठस्थ, जीवनोपयोगी गाथाएँ, अन्तगड सूत्र - सामान्य परिचय,गति-आगति, जयन्ती बाई का थोकड़ा, रत्नाकर पच्चीसी- (हिन्दी), भक्तामर स्तोत्र - 17 से 32 श्लोक तक भावार्थ सहित, रात्रि भोजन त्याग, अस्वाध्याय के 34 कारण, आगम स्वरूप एवं विशेषताएँ, पौषधव्रत भेद एवं विशेषताएँ।

सातवीं कक्षा- दशवैकालिक अ.3 मूल व अर्थ कण्ठस्थ,अन्तगड सूत्र- सामान्य प्रश्नोत्तर,नव तत्त्व का थोकड़ा,भक्तामर स्तोत्र - 33 से 48 श्लोक तक भावार्थ सहित।

आठवीं कक्षा- दशवैकालिक अ. 4 मूल व अर्थ कण्ठस्थ, लघुदण्डक का थोकड़ा, क्रोध-मान-माया-लोभ विजय, वीर स्तुति- मूल व शब्दार्थ, भावार्थ कण्ठस्थ, आराधक-विराधक की विशेषताएँ।

नवमीं कक्षा- उत्तराध्ययन अ. 3, 4 मूल व अर्थ कण्ठस्थ,तत्त्वार्थ- अ. 1, 2 भावार्थ एवं प्रश्नोत्तर, अनेकान्त- स्वरूप,गुणस्थान स्वरूप का थोकड़ा, व्रत- प्रत्याख्यान सम्बन्धी जानकारी।

दसवीं कक्षा- उत्तराध्ययन अ. - 10 मूल व अर्थ कण्ठस्थ,सुखविपाक - मूल व अर्थ कण्ठस्थ,तत्त्वार्थ अ. - 3, 4, 5 भावार्थ एवं प्रश्नोत्तर, जीव पज्जवा का थोकड़ा, जैन धर्म की मौलिक विशेषताएँ, प्राकृत व्याकरण अ. 1 से 5 तक।

ग्यारहवी कक्षा- उत्तराध्ययन अ.-29 मूल व अर्थ कण्ठस्थ, तत्त्वार्थ अ. 6, 7, भावार्थ एवं प्रश्नोत्तर, कर्मग्रन्थ भाग-2, स्थानकवासी परम्परा की मान्यताएँ, प्राकृत व्याकरण अ. 6 से 10 तक।

बारहवीं कक्षा-आचारांग सूत्र के - चयनित सूत्र, राजप्रश्नीय सूत्र के प्रश्नोत्तर, तत्त्वार्थ अ. - 8, 9, 10 भावार्थ एवं प्रश्नोत्तर, कर्मग्रन्थ भाग- 3, प्राकृत व्याकरण अ. 11 से 15 तक।

जैनागम स्तोक वारिधि पाठ्यक्रम

जैनागमों का सारांश थोकड़ों (स्तोकों) के माध्यम से आसानी से समझा जा सकता है। इसलिए थोकड़ों को आगमों की कुंजी कहा जाता है। तत्त्वज्ञान को विकसित करने हेतु इस बोर्ड द्वारा जैनागम स्तोक वारिधि पाठ्यक्रम वर्ष -2011 से प्रारम्भ किया गया है। प्रतिवर्ष जनवरी माह में पाँच-पाँच थोकड़ों के बनाये गये पाठ्यक्रम की परीक्षा आयोजित की जाती है। वर्तमान में 9 कक्षाओं की पाँच-पाँच थोकड़ों की पुस्तकें शिक्षण बोर्ड द्वारा प्रकाशित की जा चुकी हैं।

स्तोक वारिधि पाठ्यक्रम

प्रथम कक्षा- 25 बोल, 67 बोल, सुपच्चक्खाण-दुपच्चक्खाण, संज्ञा, सवणे नाणे

द्वितीय कक्षा- कर्म प्रकृति, गति-आगति, चौदह गुणस्थान का बासठिया, रूपी-अरूपी, उपयोग

तृतीय कक्षा- नवतत्त्व, जयन्तीबाई, भवभ्रमण, श्वासोच्छ्वास, श्रमण निर्ग्रन्थों के सुख

चतुर्थ कक्षा- समिति-गुप्ति, ज्ञान लब्धि, 32 बोल का बासठिया, पाँच देव, छोटी गतागत

पाँचवीं कक्षा- लघुदण्डक, गुणस्थान, द्रव्येन्द्रिय, आठ आत्मा, असंयत भव्य द्रव्य देव

छठी कक्षा- अबाधाकाल, 98 बोल का बासठिया, विरह, दिशाणुवाई, छः काय

सातवीं कक्षा- 47 बोल की बन्धी, जीव पज्जवा, अजीव पज्जवा, 256 राशि, 50 बोल की बन्धी

आठवीं कक्षा- जीवधड़ा, 102 बोल का बासठिया, आहार पद, आत्मारंभी, छः भाव

नवमीं कक्षा- सर्वबन्ध-देशबन्ध, संजया, नियण्ठा, 800 बोल की बन्धी, पदवी

दसवीं कक्षा- काय स्थिति, भाषा पद, पुद्गल परावर्तन, मड़ाई अणगार, सिद्धों का थोकड़ा

वर्ष में दो बार परीक्षाओं का आयोजन

1. शिक्षण बोर्ड की कक्षा 1 से 12 तक की परीक्षाएँ लगभग 300 केन्द्रों पर जुलाई माह में तथा थोकड़ों की परीक्षा लगभग 200 केन्द्रों पर जनवरी माह में आयोजित की जाती हैं।

2. ये परीक्षाएँ राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडू, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू आदि प्रांतों के साथ ही हांगकांग, बैंकांग, केलिफोर्निया आदि विदेशों में भी आयोजित की जाती हैं।

पुस्तक प्रकाशन-

परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु प्रत्येक कक्षा की पाठ्यक्रम आधारित सरल, सुबोध, एवं प्रामाणिकता लिए हुए पाठ्य पुस्तकें शिक्षण बोर्ड द्वारा प्रकाशित की गई हैं। प्रथम, द्वितीय, तृतीय कक्षा की अंग्रेजी व गुजराती भाषा में भी पुस्तकें प्रकाशित हैं। चतुर्थ कक्षा की अंग्रेजी अनुवाद की पुस्तक भी शीघ्र प्रकाशित होने वाली है।

पुस्तक प्रकाशन में श्रद्धानिष्ठ, कर्त्तव्यनिष्ठ, धर्मनिष्ठ सुश्राविका श्रीमती सरोजाबाई जी मूथा (धर्मपत्नी धर्मनिष्ठ सुश्रावक स्व. श्रीमान् सुगनचन्दजी मूथा- बैंगलौर (मरुधरा में बलून्दा) का विगत अनेक वर्षों से महत्त्वपूर्ण आर्थिक सौजन्य प्राप्त हो रहा हैं।

परीक्षा परिणाम

1. शिक्षण बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं के जाँच कार्य में पूर्ण प्रामाणिकता एवं पारदर्शिता रखी जाती है। सभी केन्द्रों से उत्तर पुस्तिकाएँ शिक्षण बोर्ड कार्यालय में मंगवा कर उनका जाँच कार्य योग्य एवं अनुभवी प्रशिक्षकों से कराया जाता है।

2.जुलाई माह की परीक्षा में लगभग 5000 तथा जनवरी माह में थोकड़ों की परीक्षा में लगभग 2000 परीक्षार्थी भाग लेते हैं। परीक्षा परिणाम लगभग 45 दिन में घोषित कर दिया जाता है।

3. सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र, प्रोत्साहन पुरस्कार तथा वरीयता सूची में स्थान पाने वालों को विशेष सम्मान पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।

वरीयता एवं प्रोत्साहन पुरस्कार

शिक्षण बोर्ड की कक्षा 1 से 12 तथा जैनागम स्तोक वारिधि की कक्षा 1 से 9 तक की परीक्षा उत्तीर्ण करने वालों को प्रोत्साहन पुरस्कार निम्नानुसार प्रदान किये जाते हैं-

कक्षा	50 से 69.99 अंक	70 व उससे अधिक
1 से 4 तक	100 /-	120 /-
5 से 8 तक	120 /-	200 /-
9 से 12 तक	250 /-	300 /-

वरीयता सूची में स्थान पाने वालों को पुरस्कार

कक्षा	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तृतीय स्थान	
1 से 4	2000/-	1500/-	1000/-	चार से दस स्थान तक प्रत्येक को 500/-
5 से 8	2500/-	2000/-	1500/-	चार से सात स्थान तक प्रत्येक को 750/-
9 से 12	4000/-	3000/-	2000/-	

वरीयता सूची में स्थान पाने वालों को सम्मान पुरस्कार चैक द्वारा प्रदान किये जायेंगे ताकि उन्हें स्थानीय स्तर पर समारोह आयोजित कर सम्मानित कर सके।

शेष उत्तीर्ण परीक्षार्थियों के सम्मान पुरस्कार उनके स्वयं के बैंक खाते में जमा किये जाते हैं। अतः सभी परीक्षार्थियों से अनुरोध है कि अपने बैंक खाता सम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारी शिक्षण बोर्ड कार्यालय में अवश्य प्रेषित करावें।

कार्यशाला आयोजन

शिक्षण बोर्ड की परीक्षा सम्बन्धी गतिविधियों की व्यापक स्तर पर समीक्षा करने, केन्द्राधीक्षक-निरीक्षकों की समस्याओं की जानकारी कर उनका सही समाधान करने, उपयोगी सुझावों को प्राप्त करने आदि-आदि कार्यों के लिए शिक्षण बोर्ड द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में एक दिवसीय कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। विगत वर्ष में जोधपुर तथा जलगांव में कार्यशाला आयोजित की गई।

प्रचार एवं सम्पर्क कार्यक्रम-

शिक्षण बोर्ड की परीक्षा सम्बंधी गतिविधियों को जन-जन में प्रचारित करने हेतु प्रचार कार्यक्रम स्वाध्याय संघ, संस्कार केन्द्र, युवक परिषद्, श्राविका मण्डल, श्रावक संघ आदि के सहयोग से आयोजित किये जाते हैं। जहाँ भी 10 परीक्षार्थी तैयार हो जाते हैं, वहाँ परीक्षा का नया केन्द्र प्रारम्भ कर दिया जाता है।

प्रोत्साहन पुरस्कार में सहभागिता-

शिक्षण बोर्ड द्वारा आयोजित कक्षा 1 से 12 तक की परीक्षा का सामान्य पुरस्कार खर्च लगभग 4,50,000/- तथा वरीयता पुरस्कार खर्च लगभग 100,000/- है।

जैनागम स्तोक वारिधि-थोकड़ों की कक्षा 1 से 9 तक की परीक्षा का सामान्य पुरस्कार खर्च लगभग 175,000/- तथा वरीयता पुरस्कार खर्च लगभग 75000/- है।

सभी उदारमना, संघसेवी श्रावक-श्राविकाओं से विनम्र अनुरोध है कि उक्त पुरस्कारों में अपना उदारतापूर्ण सहयोग प्रदान कर पुण्योपार्जन एवं धर्म-दलाली का लाभ प्राप्त करने की कृपा करावें।

इच्छुक महानुभाव अपनी सहयोग राशि अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड के नाम से संचालित **(Akhil Bhartiya Shri Jain Ratna Adhyatmik Shikshan Board)** के **Saving A/c Number- 00592010048700, Bank Name- Oriental Bank of Commerce IFSC - ORBC0100059 , Branch - Sojati Gate Jodhpur** में जमा करा सकते हैं।

आपके द्वारा प्रदत्त सहयोग राशि आयकर अधिनियम की धारा 80G के अन्तर्गत कर मुक्त **(Tax Free)** है।

विनम्र निवेदन

1. आध्यात्मिक परीक्षा सम्बंधी गतिविधियों की महत्ता एवं उपयोगिता को जानकर स्वयं परीक्षाओं में भाग लेकर अपनी ज्ञान वृद्धि करें।
2. अन्य भाई-बहिनों, बालक-बालिकाओं को क्रमिक ज्ञान वृद्धि हेतु परीक्षा में भाग लेने हेतु विशेष प्रेरणा करें।
3. जहाँ भी कम से कम 10 परीक्षार्थी हो सकते हैं, वहाँ नया केन्द्र प्रारम्भ करने में सहयोग करें।
4. परीक्षा आयोजन में निरीक्षक के रूप में, अधीक्षक के रूप में, आवेदन-पत्र भरवाने में, पुस्तकें आदि वितरित करने में अथवा परीक्षा की महत्ता बतलाकर परीक्षा सम्बन्धी गतिविधियों को प्रचारित करने में अपनी महनीय सेवाएँ प्रदान करें।

परीक्षा सम्बन्धी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क करें-

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड
घोड़ों का चौक, जोधपुर -342001 (राजस्थान)
फोन- 0291-2630490,E-Mail- shikshanboardjodhpur@gmail.com